तापमान
अधिकतम 34.7°c
न्यूनतम 20.5°c

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 11 अक्टूबर 2026

शहर में आज

- एमडीयू में फ्लारबॉल प्रतियोगिता सुबह 10 बजे
- नगर निगम का स्वच्छता अभियान सुबह 11 बजे
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर

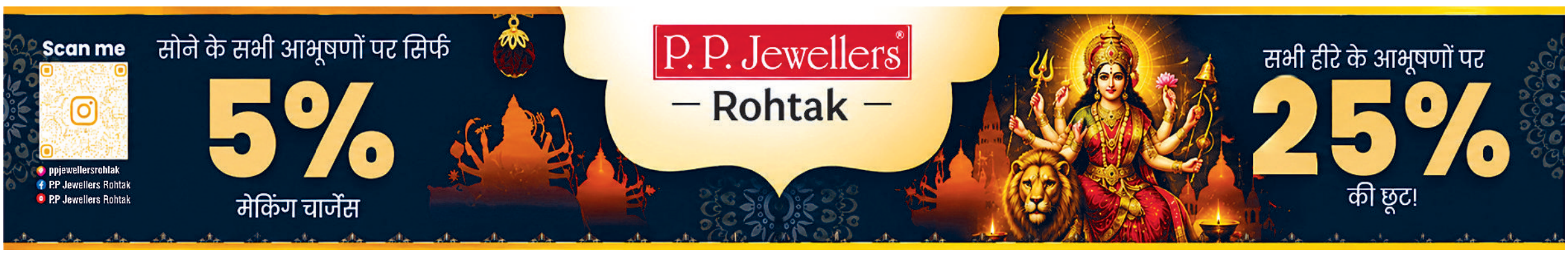

कांग्रेस भवन के बाहर भाजपा के टेंट में घुसे कांग्रेसी

बाद में भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना के पहुंचने पर उसी टेंट में भाजपाइयों ने दिया धरना ↕ आंबेडकर चौक पर दोनों दल आमने-सामने नारेबाजी से शहर में गरमाया सियासी माहौल ↕ जेएनयू की 11 छात्राओं की शिकायत के विरोध में भाजपा कर रही थी प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

आंबेडकर चौक स्थित कांग्रेस भवन के बाहर शनिवार को राजनीतिक विरोध प्रदर्शन ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब भाजपा के धरने के लिए लगाए गए टेंट में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंच गए। कांग्रेसियों ने टेंट के अंदर नारेबाजी शुरू कर दी और भाजपा के झंडों के बीच अपने झंडे भी लगा दिए। करीब 20 मिनट तक चले इस घटनाक्रम के बाद पुलिस ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को टेंट से बाहर निकाला। दोपहर में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उसी टेंट में बैठकर प्रदर्शन किया। दोनों दलों के आमने-सामने आने से इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई और पुलिस को बैरिकेडिंग करनी पड़ी। दरअसल, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की 11 छात्राओं ने 18 मई को कांग्रेस सांसद एवं जेएनयू प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर यौन उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। इसी के विरोध में बीजेपी ने यह प्रदर्शन किया है।



रोहतक। पहले टेंट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन।



कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन को संबोधित करतीं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ।

दोपहर में भाजपा ने टेंट में शुरू किया प्रदर्शन

दोपहर करीब एक बजे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता कार्यकर्ताओं के साथ टेंट में पहुंचीं। उनके साथ पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, कविता जैन सहित अन्य नेता मौजूद रहे। पुलिस ने टेंट के बाहर बैरिकेडिंग की। भाजपा कार्यकर्ता टेंट में नारेबाजी करते रहे, जबकि बाहर खड़े कांग्रेसी विरोध जताते रहे। दोपहर करीब दो बजे तक दोनों दलों के बीच नारेबाजी जारी रही। पुलिस ने स्थिति पर नजर बनाए रखी।

एसपी को ज्ञापन देने पहुंचे कांग्रेसी, फिर प्रदर्शन

भाजपा ने जेएनयू मामले को लेकर कांग्रेस भवन के बाहर टेंट लगाया था। इसकी जानकारी मिलने पर कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष कुलदीप केडी और ग्रामीण जिलाध्यक्ष बलवान रंगा कार्यकर्ताओं के साथ एसपी को ज्ञापन देने पहुंचे। एसपी के न मिलने पर उनके रीडर को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद कांग्रेसी भाजपा के टेंट में पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। सूचना मिलने पर भाजपा पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने हस्तक्षेप कर कांग्रेस नेताओं को टेंट से बाहर निकाला।

कांग्रेस और राहुल पर बरसीं प्रदेशाध्यक्ष डॉ. गुप्ता

विपक्ष पर अराजक माहौल बनाने का आरोप

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि देश में कांग्रेस नेतृत्व वाला इंडी ब्लाक और आप समर्थित सीजेपी अराजक माहौल बनाने का काम कर रहे हैं, लेकिन भाजपा उनके भ्रमजाल और राष्ट्रविरोधी मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने कांग्रेस, राहुल गांधी और आप समर्थित सीजेपी को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि देश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस चुनाव दर चुनाव जनता का भरोसा खोने के कारणों को समझने और अपने कार्यकर्ताओं का सामना करने में नाकाम साबित हो रही है। आज राहुल के नेतृत्व वाला इंडी ब्लाक और केजरीवाल समर्थित सीजेपी ग्रुप गहरी साजिश का हिस्सा बनकर देश में बेहद खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। देश की जनता ने उन्हें हर मौके पर नकारते हुए यह अहसास करवा दिया है कि जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ है।

जेएनयू मामले पर राहुल की चुप्पी पर उठाए सवाल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने जेएनयू में 11 छात्राओं की शिकायत के मामले में कांग्रेस सांसद एवं प्रोफेसर डॉ. अंगोम्चा बिमोल अकोइजम की बर्खास्तगी की मांग उठाई। उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की चुप्पी पर सवाल करते हुए महिला सम्मान को लेकर कांग्रेस की भूमिका पर निशाना साधा।

कन्हेली रोड पर बड़ा हादसा

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार बुजुर्ग की मौत

रोहतक। कन्हेली रोड पर पानी के डिस्पोजल के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग दूध लेने के लिए डेयरी जा रहे थे, तभी साइड वाली गली से आई बाइक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में घायल बुजुर्ग को पीजीआईएमएस ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रीत विहार निवासी दीपक सैनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 9 अक्टूबर को शाम करीब 5:20 बजे उसके चचेरे भाई मनीष का फोन आया। उसने बताया कि शाम करीब 4:30 बजे उसके पिता धर्म सिंह इलेक्ट्रिक स्कूटी पर दूध लेने कन्हेली रोड स्थित डेयरियों की ओर जा रहे थे। पानी के डिस्पोजल के पास साइड वाली गली से तेज गति और लापरवाही से आई बाइक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर दीपक मौके पर पहुंचा तो उसके पिता सड़क पर लहूलुहान हालत में पड़े थे। हादसे में शामिल बाइक भी मौके पर मौजूद थी। दीपक ने बाइक का नंबर नोट कर लिया। आसपास मौजूद उषा और उसके बेटे अनिश सहित अन्य लोगों की मदद से धर्म सिंह को पीजीआईएमएस रोहतक पहुंचाया गया। वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

- दूध लेने के लिए डेयरी जा रहे थे धर्म सिंह
- घायल बुजुर्ग की पीजीआई में उपचार के दौरान मौत

जेबीटी शिक्षक से 2.47 लाख की ठगी मामले में दो और आरोपी पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पर्सनल लोन दिलाने का झांसा देकर जेबीटी शिक्षक से 2 लाख 47 हजार 800 रुपये की ठगी के मामले में साइबर थाना पुलिस ने दिल्ली निवासी कन्हैया और मुनील को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस प्रवक्ता मनीष के अनुसार, मोखरा निवासी सुरेंद्र ने 22 सितंबर को शिकायत दी थी कि उसे 20 लाख रुपये का लोन चाहिए था। आरोपियों ने खुद को एचडीएफसी बैंक का कर्मचारी बताकर उससे दस्तावेज लिए और फाइल, किस्त व इंश्योरेंस के नाम पर अलग-अलग रकम ट्रांसफर करवा ली। लोन नहीं मिलने पर उसने पुलिस को शिकायत दी। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।



कलानौर में 51 वर्षीय व्यक्ति ने दी जान

बेटे ने घर पहुंचकर देखा पिता का शव लटका मिला

- एफएसएल टीम ने घटनास्थल से जुटाए साक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलानौर



घर लौटे बेटे के सामने उस समय दुखद दृश्य आया, जब उसने अपने पिता को चौबारे में फंदे पर लटका देखा। घटना कलानौर के वार्ड-11 में निगाना मोड़ स्थित महाबीर मंदिर के पास की है। सूचना मिलने पर कलानौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान 51 वर्षीय राजू पुत्र माइलाल के रूप में हुई है। वह गांव में ही रहता था और उसके दो बेटे हैं। जानकारी के अनुसार, राजू दोपहर के समय घर के चौबारे में फंदे पर लटका मिला।

होटल में काम करता था

शाम करीब चार बजे उसका बेटा अमन घर पहुंचा तो उसने पिता को इस हालत में देखा और पुलिस को सूचना दी। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, राजू पहले एक होटल में बर्तन धोने का काम करता था, लेकिन काफी समय से उसने काम छोड़ दिया था और घर पर ही रह रहा था। बताया गया है कि वह कई दिनों से मानसिक रूप से परेशान था।

की जा रही जांच

व्यक्ति के आत्महत्या किए जाने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

-रविंद्र कुमार
कलानौर थाना प्रभारी





दुकान के गल्ले से चोरी, कैमरे में कट्टे ले जाता दिखा युवक

रोहतक। विजय क्लाथ मार्केट में एक कपड़ा व्यापारी की दुकान से गल्ला चोरी होने का मामला सामने आया है। गल्ले में 20 से 25 हजार रुपये नकद, चांदी के 15 सिक्के, बैंक की पासबुक और चेकबुक रखी हुई थी। व्यापारी ने पास की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो उसमें एक अज्ञात युवक गल्ले को कट्टे में डालकर ले जाता दिखाई दिया। शिकायत के आधार पर शहर थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोहाना अड्डा निवासी रितेश जैन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि विजय क्लाथ मार्केट में उसकी अजित प्रसाद अशोक कुमार जैन के नाम से कपड़े की दुकान है। 8 अगस्त 2026 को शाम करीब छह बजे वह किसी काम से मार्केट में गया था। वापस लौटा तो दुकान से गल्ला गायब मिला। उसने आसपास की दुकानों में पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

- 20 से 25 हजार रुपये नकद सहित चांदी के 15 सिक्के गायब



सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समा

महोत्सव में गणेश वंदना ग्रुप, चेरी डांस ग्रुप, महाराजा अग्रसेन का भव्य दरबार, भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक एंट्री, कृष्णमय प्रस्तुतियां, दिव्य महारास, मोर की आकर्षक झांकी, फूलों की होली और अष्टलक्ष्मी आरती विशेष आकर्षण रहीं। कार्यक्रम के दौरान द्रोण के माध्यम से पंडाल में पुष्पवर्षा की गई। वहीं, रंग-बिरंगी आतिशबाजी और आकाश में छोड़े गए धूमकेतु तारे ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

भृगु ऋषि की परीक्षा का मंचन

मुख्य निर्देशक लीलाधर के निर्देशन में कलाकारों ने ब्रह्मा, विष्णु, महेश और भृगु ऋषि की कथा प्रस्तुत की। इसमें बताया कि त्रिदेवों में श्रेष्ठ और सहनशील कौन है, यह जानने के लिए भृगु ऋषि ब्रह्मा और शिव बाद विष्णु के पास पहुंचे। विष्णु के विश्राम करते समय भृगु ऋषि ने उनके वक्षस्थल पर लात मार दी, लेकिन भगवान ने क्रोध करने के बजाय उनके चरण पकड़कर कुशलक्षेम पूछा। उनकी विनम्रता और सहनशीलता से भृगु ऋषि का अहंकार खत्म हुआ।

रामलीला महोत्सव का भव्य आगाज

त्रिदेवों और भृगु ऋषि की नाटिका ने मोहा मन, द्रोन से पुष्पवर्षा, रंग-बिरंगी आतिशबाजी और दिव्य महारास बने आकर्षण का केंद्र, हजारों की संख्या में पुरानी आईटीआई ग्राउंड में पहुंचे शहरवासी

रोहतक। विजयदशमी के मौके पर श्री रामलीला उत्सव कमेटी की ओर से पुरानी आईटीआई ग्राउंड, सर्कुलर रोड पर आयोजित रामलीला महोत्सव एवं दशहरा मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। समारोह के पहले दिन ब्रह्मा, विष्णु, महेश और भृगु ऋषि की नाटिका का कलाकारों ने शानदार मंचन किया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य व्यक्तियों सहित हजारों की संख्या में शहरवासी पहुंचे। मीडिया प्रवक्ता राजीव जैन ने बताया कि कार्यक्रम महामंडलेश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। पूर्व महापौर मनमोहन गोयल ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक एवं समाजसेवी उद्योगपति राजेश जैन, प्राचीन हनुमान मंदिर के प्रधान विजय कुमार (टीटू) विज, द पार्क क्वीन होटल के निदेशक सरदार हिमांशु, लायंस क्लब के पूर्व प्रधान शैलेष जैन, समाजसेवी सन्नी मिनोचा और रामलीला उत्सव कमेटी के प्रधान सुभाष तायल सहित अन्य अतिथियों ने रिमोट का बटन दबाकर और फीता काटकर महोत्सव का शुभारंभ किया। मंच संचालन विजय गुप्ता बाबा और सतीश भारद्वाज ने किया। कमेटी की ओर से अतिथियों को मोतियों की माला, बैज, पटका, शॉल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य और शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।



पुरानी आईटीआई ग्राउंड में श्री रामलीला उत्सव कमेटी में आयोजित रामलीला में सजा दरबार।



गांधी कैंप स्थित नेक कुकारो वाली रामलीला में महामंडलेश्वर कपिलपुरी को स्मृति चिन्ह देते प्रधान सचदेवा व अन्य।



ईश्वर का साक्षात्कार जन्म-जन्मांतर की तपस्या से होता है : सच्चिदानंद

रोहतक। आर्य पारिवारिक सत्संग सभा के तत्वावधान में आयोजित त्रि-दिवसीय चतुर्वेद शतकम विशिष्ट यज्ञ के दूसरे दिन राजस्थान से आए मुख्य वक्ता स्वामी सच्चिदानंद ने कहा कि जन्म-जन्मांतर की तपस्या के बाद ईश्वर का साक्षात्कार होता है। नास्तिकता सभी दोषों की जननी है। सृष्टि की व्यवस्था को देखकर ईश्वर के अस्तित्व का ज्ञान होता है। जालंधर से आए भजन उपदेशक पंडित राजेश अमर प्रेमी ने भजन 'प्रभु मेरे जीवन का उद्धार कर दो, भंवर में है नैया इसे पार कर दो' प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। मंच संचालन मंत्री सचिन दुआ ने किया। उन्होंने कहा कि ईश्वर सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी है। वह निराकार है और अपने कार्यों के संपादन के लिए किसी की सहायता का मोहताज नहीं है। ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता। मनुष्य का आचरण ही उसकी आस्तिकता की वास्तविक कसौटी है। इस अवसर पर प्रधान पवनजीत आर्य, कोषाध्यक्ष वरिंदर सहगल, संजीव सचदेवा, सतीश आर्य, हितेश मदान, संदीप काहनी, सुनील आर्य, संजय कथूरिया और अंकुर अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

दुकानों के आगे सड़क पर कब्जाधारियों को विभाग की चेतावनी

महम में अतिक्रमणकारियों की खैर नहीं, 125 को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। उपमंडल अधिकारी (नागरिक) महम के निर्देशानुसार शहर में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका की टीम द्वारा मुख्य बाजार सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर अवैध रूप से रखे सामान को हटवाया गया तथा कई स्थानों से सामान जब्त किया गया। इसी कड़ी में नगर पालिका द्वारा 125 अस्थायी अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर पालिका सचिव नवीन नांदल ने स्पष्ट किया कि शहर की सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक रास्तों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी दुकानदारों और अस्थायी अतिक्रमण करने वालों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी दुकानों के सामने रखा सामान, सड़क पर फैलाया गया सामान तथा सार्वजनिक रास्तों में बाधा उत्पन्न करने वाली वस्तुओं को तुरंत प्रभाव से हटा लें। नगर पालिका की अपील को हल्के में न लें और कार्रवाई से पहले स्वयं अतिक्रमण हटाकर प्रशासन का सहयोग करें। इसके बावजूद सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण बनाए रखना उचित नहीं है।



महम। बाजार से अतिक्रमण हटाते हुए नगर पालिका महम की टीम।

- सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक रास्तों पर अवैध नहीं किया जाएगा बर्दाश्त
- नियमों की अवहेलना करने पर नियमानुसार सामान हटाने या जब्त करने भी की जा सकती है कड़ी कार्रवाई
- अधिकारी बोले, दुकानदार अतिक्रमण स्वयं हटाएं, अन्यथा होगी कार्रवाई

पुलिस सहयोग से प्रतिदिन होगी निगरानी

नगर पालिका सचिव ने बताया कि नगर पालिका की टीम पुलिस प्रशासन के सहयोग से प्रतिदिन अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रही है। अभियान के दौरान बाजार और अन्य प्रमुख स्थानों पर निगरानी रखी जा रही है। संबंधित दुकानदारों एवं अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे सार्वजनिक स्थानों को खाली रखें। निर्देशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध लागू नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा नियमानुसार सामान हटाने या जब्त करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण हटाने से पहले ही नगर पालिका प्रशासन द्वारा मुनादी के माध्यम से दुकानदारों और आमजन को लगातार जागरूक किया गया है।

आमजन की सुविधा से कोई समझौता नहीं

नगर पालिका प्रशासन ने सभी दुकानदारों, व्यापारियों और रेहड़ी-फड़ी संचालकों से सख्त अपील की है कि वे अपनी निर्धारित जगह के भीतर ही सामान रखें और सड़क, फुटपाथ, नालियों तथा सार्वजनिक रास्तों को पूरी तरह बाधामुक्त रखें। किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक रास्ते पर कब्जा करके आम नागरिकों के आवागमन में परेशानी पैदा करने का अधिकार नहीं है। नगर पालिका का स्पष्ट संदेश है कि अतिक्रमण स्वयं हटाएं, सार्वजनिक रास्ते खाली रखें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। शहर में सुचारू यातायात, स्वच्छता और बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

नालियों पर रैंप बनाने वालो को भी चेतावनी

नगर पालिका सचिव ने बताया कि बाजार में कई दुकानदारों द्वारा नालियों पर रैंप और चबूतरे बनाकर सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण किया गया है। इससे नालियों की सफाई में बाधा आती है और सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है। ऐसे दुकानदारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे नालियों पर किए गए अवैध निर्माण और अतिक्रमण को तुरंत हटाएं तथा सफाई कर्मचारियों के कार्य में किसी प्रकार की रुकावट पैदा न करें। सार्वजनिक नालियों और रास्तों को अपने निजी उपयोग में लेना स्वीकार्य नहीं है। इसके अतिरिक्त, उपमंडल अधिकारी (नागरिक) महम की अध्यक्षता में दुकानदारों एवं व्यापार मंडल के सदस्यों के साथ बैठक भी आयोजित की गई थी, जिसमें शहर को अतिक्रमण मुक्त रखने में सहयोग देने का आश्वासन दिया गया था।

मेरा शहर मेरी समस्या ग्राउंड रिपोर्ट

कई कॉलोनियों में तीन माह से आ रहा काला पानी

दूषित पेयजल की शिकायतों पर सुनवाई भूला जन स्वास्थ्य विभाग



गंदा पानी पीने से बच्चों का बिगड़ रहा स्वास्थ्य, पेट में संक्रमण की शिकायतों ने बढ़ाई चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

शहर में लोगों को साफ पेयजल उपलब्ध करवाने के दावे उस समय सवालों के घेरे में आ जाते हैं, जब घरों के नलों से साफ पानी की जगह काला और दूषित पानी आने लगे। कई कॉलोनियों में पिछले तीन माह से लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। सुबह-शाम नल खोलने पर साफ पानी मिलने की उम्मीद लगाए बैठे परिवारों को गंदे पानी से काम चलाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बार-बार शिकायत देने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा। शहर के सल्लारा मोहल्ला, चिन्योट कॉलोनी, जनता कॉलोनी, लाढ़ौत रोड, वसंत विहार, ऋषि नगर, राजेंद्र नगर और प्रेम नगर समेत कई क्षेत्रों में दूषित पेयजल की समस्या सामने आ रही है। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बाद भी विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही। ऐसे में परिवारों को पीने के पानी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है। सबसे अधिक चिंता बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर है। स्थानीय निवासियों ने कुछ बच्चों के पेट में संक्रमण की शिकायत भी बताई है। कॉलोनियों की गलियों में गैस कंपनी, फाइबर नेटवर्क कंपनियों और सीवर लाइन की मरम्मत के लिए जगह-जगह खुदाई की गई है।

खुदाई से पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की आशंका

स्थानीय लोगों को आशंका है कि खुदाई या मरम्मत के दौरान पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने अथवा सीवर के पानी के संपर्क में आने से समस्या बढ़ी हो सकती है। हालांकि, दूषित पानी की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। लोगों की मांग है कि संबंधित एजेंसियों के कार्यों की भी जांच की जाए और पेयजल पाइपलाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

सेहत हो रही खराब



घरों में आने वाले पानी की गुणवत्ता को लेकर परिवार चिंतित हैं। बच्चों के स्वास्थ्य पर भी इसका असर पड़ने की आशंका बनी हुई है। विभाग को जल्द मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान करना चाहिए। -जसबीर कुमार

दूषित पानी की जांच जरूरी



शिकायतें देने के बावजूद राहत नहीं मिल रही। पीने के पानी जैसी जरूरी सुविधा के लिए लोगों को बार-बार अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। विभाग को प्रभावित गलियों की पाइपलाइनों की जांच करवाकर यह पता लगाना चाहिए कि पानी दूषित कहां से हो रहा है। -राजकुमार

साफ पानी मिले



कॉलोनियों में विभिन्न विकास कार्यों के लिए खुदाई हुई है। ऐसे में पेयजल पाइपलाइन में लीकेज या सीवर के पानी के संपर्क में आने की आशंका की जांच जरूरी है। विभाग को पानी के नमूने लेकर उनकी जांच करवानी चाहिए और रिपोर्ट आने तक सुरक्षित पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। -रमेश

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।



शिविर में जांचा 155 श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य

रोहतक। देव कॉलोनी स्थित दिल्ली रोड के एडवांटा हॉस्पिटल की ओर से प्राचीन शीतला माता मंदिर प्रांगण में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में 155 श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान बीपी, शुगर, थायराइड, नाक-कान-गला संबंधी समस्याओं और फिजियोथेरेपी से जुड़ी जांच की गई। शिविर में एडवांटा हॉस्पिटल के अनुभवी चिकित्सक डॉ. अंकुर वर्मा, डॉ. मोहित ढांडा, डॉ. सचिन, डॉ. बबीता बरक, डॉ. अर्चना दहिया, डॉ. श्वेता यादव और डॉ. ज्योति की देखरेख में श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। इस दौरान हॉस्पिटल के निदेशक मोहित मलिक की ओर से श्रद्धालुओं को निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। प्राचीन शीतला माता मंदिर के महंत थानेश्वर दास ने श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने पर एडवांटा हॉस्पिटल की चिकित्सक टीम और निदेशक मोहित मलिक का आभार जताया। दवा वितरण की जिम्मेदारी नर्सिंग ऑफिसर प्राची ने निभाई।

हरियाणा प्रदेश खेलों का हब : ग्रोवर

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में आयोजित 20वीं राष्ट्रीय फ्लोरबॉल चैंपियनशिप-2026 के दूसरे दिन खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। कश्मीर, दमन एवं दीव, हरियाणा और दिल्ली की टीमों के बीच खेले गए मुकाबले बराबरी पर छूटे।



कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि संत अमरदास ने अध्यक्षता की। एमडीयू के रजिस्ट्रार डॉ. बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मनीष ग्रोवर ने कहा कि हरियाणा खेलों का हब है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। हरियाणा फ्लोरबॉल एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष गजेंद्र फौगाट ने प्रदेश सरकार की खेल नीति और खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी दी। गजेंद्र फौगाट ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। इस अवसर पर खेल निदेशक एवं फ्लोरबॉल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपेंद्र आर्य, सचिव सुरजीत नैन, कोषाध्यक्ष सुनील शास्त्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

धान की खरीद और उठान में कोताही बर्दाश्त नहीं : डीसी

रोहतक। अनाज मंडियों में धान की खरीद और उठान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों की फसल की समय पर खरीद और उन्हें सुविधाएं उपलब्ध करवाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। यह बात उपायुक्त सतबीर सिंह ने शनिवार को रोहतक अनाज मंडी के निरीक्षण के दौरान कही। उपायुक्त ने एसडीएम आशीष कुमार के साथ मंडी का दौरा कर गेट पास प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने किसानों और कर्मचारियों से बातचीत कर खरीद व्यवस्था की जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार दूसरे राज्यों से आने वाले धान व बाजरे पर कड़ी निगरानी रखी जाए। इस दौरान मंडी सचिव दीपक लोहचब सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और किसान मौजूद रहे।

आर्य पब्लिक स्कूल मदीना में अभिभावकों ने जानी बच्चों की शैक्षणिक प्रगति रिपोर्ट

महम। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य समर सेशन के परीक्षा परिणाम घोषित करना तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा करना था। बैठक के दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक विद्यालय पहुंचे और अपने बच्चों का परीक्षा परिणाम प्राप्त किया। अभिभावकों ने संबंधित विषय अध्यापकों एवं कक्षा प्रभारियों से बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति और आगामी परीक्षाओं की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। विद्यालय के प्राचार्य अशोक दांगी ने अभिभावकों से संवाद करते हुए कहा कि किसी भी बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों का आपसी तालमेल अत्यंत आवश्यक है। प्राचार्य ने शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की सराहना की तथा अन्य विद्यार्थियों को आगामी सत्र में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था, शिक्षकों के समर्पण और परीक्षा परिणाम पर संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे घर पर भी बच्चों की पढ़ाई के लिए सकारात्मक माहौल बनाएं और उनके दैनिक अध्ययन पर ध्यान दें। शिक्षकों ने अभिभावकों के समक्ष विद्यार्थियों की वास्तविक प्रगति रिपोर्ट साझा की और उनकी मजबूत व कमजोर कड़ियों पर प्रकाश डालते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।





संसार को बदलने से पहले खुद को बदले लोग : राजू

महम। माउंट आबू मुख्यालय से वरिष्ठ राजयोगी राजू भाई विश्व विद्यालय प्रभु उपहार भवन महम में पहुंचे। यहां पर उन्होंने एक आध्यात्मिक जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वास्तविक ज्ञान केवल सांसारिक जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानना, परमात्मा को जानना और अपने जीवन में श्रेष्ठ गुणों को धारण करना है। जब मनुष्य स्वयं को शांत स्वरूप आत्मा समझकर परमात्मा से संबंध जोड़ता है, तो उसके जीवन में शांति, प्रेम, पवित्रता और सुख का अनुभव होने लगता है।

क्रिकेट मदवि के कप्तान नरेंद्र शीलक बने मैन ऑफ द मैच

एमडीयू ने पंजाबी विवि को 5 विकेट से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) एम्प्लाइज क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टी-20 मुकाबले में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला एम्प्लाइज टीम को 5 विकेट से पराजित किया। एमडीयू टीम के कप्तान नरेन्द्र शीलक मैन ऑफ़ द मैच रहे। सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस मैच का शुभारंभ एमडीयू के कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल ने बतौर मुख्य अतिथि किया। डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. रणदीप राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक कुलताज सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। एमडीयू गैर शिक्षक संघ प्रधान सुरेश कौशिक और पूर्व प्रधान फूलकुमार बोहत उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल ने कहा कि कर्मचारियों के बीच ऐसे खेल मुकाबले आपसी सौहार्द, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. रणदीप राणा ने कहा कि खेल आपसी सहयोग को मजबूत करते हैं।मुकाबले में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 167 रन बनाए। टीम की ओर से दविंदर सिंह ने 50, हरप्रीत सिंह ने 30, सन्नी सिंह ने 24 और पंकज ने 22 रन का योगदान दिया। एमडीयू की तरफ से नरेन्द्र शीलक ने 3, दीपक कुमार ने 2 और परवीन ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमडीयू रोहतक की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाकर जीत दर्ज की। टीम की जीत में प्रो. जितेंद्र कुमार, डॉ. विपिन कुमार, पंकज नैन, गौरव दूरेजा, आनंद प्रजापति, परवीन कुमार, रामबीर राणा, राजेश पवार, महिपाल फोगाट, ऋषि सैनी, राजेश शर्मा, विवेक कुमार, सुनील कुमार और सुनील सुतवाल का योगदान रहा।



बहलंबा में लोगों ने कब्रिस्तान में लगाए 60 पौधे, उठाई चाहरदीवारी की मांग

महम। अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने गांव बहलबा में कब्रिस्तान की चारदीवारी बनवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी यह पुरानी मांग है। इस मांग को पूरा किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने शुक्रवार व शनिवार को कब्रिस्तान में पौधा रोपण अभियान चलाया। पौधारोपण अभियान का शुभारंभ सरपंच कुलदीप राठी ने किया। इस अभियान के तहत ग्रामीणों ने कब्रिस्तान में 60 पौधे लगाए हैं। प्रदेश के पंचायत विभाग में कार्यरत महाग्राम सचिव कैलाश चंद्र ने बताया कि समाज के लोगों ने अपने खर्च पर कब्रिस्तान में मिट्टी डलवा दी है। यदि चारदीवारी बन जाए, तो यहां पर लगाए गए पौधे भी सुरक्षित रहेंगे। पौधे पेड़ बनेंगे तो गांव का पर्यावरण शुद्ध रहेगा।



द आर्यन स्कूल में पीटीएम, रोबोटिक्स प्रदर्शनी और पुरस्कार समारोह, छात्रों को दी तकनीकी जानकारी



रोहतक। करोंथा स्थित द आर्यन ग्लोबल स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम), रोबोटिक्स प्रदर्शनी और कक्षा छठी से नौवीं तक के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, रचनात्मकता और तकनीकी कौशल को प्रोत्साहित किया गया। पीटीएम के दौरान अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। वहीं, रोबोटिक्स प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न अभिनव मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉडलों के माध्यम से उन्होंने अपनी रचनात्मक सोच और तकनीकी समझ का प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आर.के. खन्ना ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने और किताबी ज्ञान के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का संदेश दिया। विद्यालय की निदेशक सुनीता अहलावत ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला। शैक्षणिक पुरस्कार समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उनकी मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया।

न्यूज डायरी

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में स्वास्थ्य की जांच



रोहतक। जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, शारीरिक तंदुरुस्ती और सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वास्थ्य जांच दिवस आयोजित किया गया। पॉजिट्रॉन हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।शिविर में एमबीबीएस चिकित्सक डॉ. त्रिशा और डॉ. शाना सहित नर्सिंग स्टाफ, फिजियोथेरेपिस्ट और नेत्र देखभाल सहायकों ने सेवाएं दीं। विद्यार्थियों को आंखों की देखभाल, सही शारीरिक मुद्रा, स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में बताया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्या मधुलिका सिंह, कोऑर्डिनेटर एकता बहल और अन्य उपस्थित रहे।

एमडीयू में ऑनलाइन एलुमनाई कनेक्ट सत्र



रोहतक। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के मनोविज्ञान विभाग और हैप्पीट्यूड लैब की ओर से ऑनलाइन संवाद सत्र 'एलुमनाई कनेक्ट' आयोजित किया गया। इसमें विभाग की पूर्व छात्राओं सुजाता और अन्नू धनखड़ ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का समन्वय हैप्पीट्यूड लैब की प्रभारी प्राध्यापिका प्रो. दीप्ति हुड्डा ने किया। सत्र का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और इससे जुड़ी पहलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

पुस्तकें हमारी दोस्त होती हैं : पूनम अत्रि



रोहतक। गौड़ ब्राह्मण शिक्षण महाविद्यालय, रोहतक में बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पुस्तकालय अध्यक्ष पूनम अत्रि ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकों, जर्नल, पत्रिकाओं और शिक्षण सहायक सामग्री की जानकारी दी। पूनम अत्रि ने कहा कि पुस्तकें केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं, बल्कि अच्छी दोस्त भी होती हैं। ये ज्ञान बढ़ाने और सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन रीडिंग का महत्व बताया। मौके पर प्राचार्या प्रो. महाश्वेता, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. सविता शर्मा, डॉ. मोना मल्होत्रा, डॉ. सोन किरण, डॉ. रानी देवी और राजेश सहित उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता ज़रूरी : प्रो. नेहरू

रोहतक। उच्च शिक्षा में प्रभावी नेतृत्व के लिए रणनीतिक सोच, नवाचार, पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया और दूरदर्शी दृष्टिकोण बेहद जरूरी हैं। शिक्षाविदों का दायित्व केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने और संस्थानों में उत्कृष्टता की संस्कृति विकसित करने में भी है। यह बात मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट के महानिदेशक प्रो. राज नेहरू ने एमडीयू में आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में कही। एमडीयू के फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर (एफडीसी), एमएमटीटीसी द्वारा आयोजित एक सप्ताह के यूजीसी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'लीडरशिप कॉम्पिटेंसीज फॉर एकेडेमिशियंसः एन्हांसिंग एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन' के छठे दिन प्रो. राज नेहरू ने अकादमिक नेतृत्व की बदलती भूमिका और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक नेतृत्व कौशल पर अपने विचार साझा किए।

78 ने किया रक्तदान, 85 मरीजों की जांच



रोहतक। महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट रजि. एवं महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट की ओर से झज्जर रोड स्थित वैश्य गर्ल्स कॉलेज एवं अप्रोच परिसर में दो दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का शुभारंभ हुआ। पहले दिन रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर और अटूट भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के लोगों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि समारोह का शुभारंभ मुख्य आयोजक एवं समाजसेवी उद्योगपति राजेश जैन, यूएचएस रोहतक के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, पीजीआईएमएस के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. कुंदल मित्तल, रोटरी क्लब ऑफ सिटी के पूर्व प्रधान संदीप गुप्ता, दिनेश गुप्ता, प्रधान सुशील गुप्ता और लोकेश जैन सहित अन्य सदस्यों ने महाराजा अग्रसेन के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में मेडिकल की टीम ने 85 मरीजों की जांच कर निशुल्क दवाइयां दीं। वहीं पीजीआई की टीम की ओर से लगाए गए रक्तदान शिविर में 125 ने पंजीकरण करवाया, जिनमें से 78 पुरुषों और महिलाओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र, उपहार और जलपान देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन परम भूषण आर्य ने किया। संस्था ने अतिथियों को फलों के बुके, माला, पटका और स्मृति चिह्न भेंट किए।

हर 10वां व्यक्ति मानसिक बीमार, 80% इलाज के लिए ही नहीं आते

- डॉ. अग्रवाल बोले बीमारी को छिपाएं नहीं, समय पर ही इलाज कराएं
- शर्म और सामाजिक भेदभाव के डर से छिपाते हैं बीमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शरीर में दर्द हो तो डॉक्टर के पास पहुंच जाते हैं, लेकिन मन उदास हो, नींद न आए या लगातार तनाव बना रहे तो अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। यही अनदेखी मानसिक परेशानी को गंभीर बीमारी में बदल सकती है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बावजूद शर्म, डर और सामाजिक भेदभाव की आशंका के कारण बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए सामने नहीं आते। पीजीआईएमएस के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने बताया कि 10 में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक समस्या से जूझ रहा है, जबकि करीब 80 प्रतिशत लोग इलाज के लिए सामने नहीं आते। मानसिक स्वास्थ्य ही असली स्वास्थ्य है और मन की परेशानी को छिपाने के बजाय उसका समय पर उपचार करवाना जरूरी है। वे शनिवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में पीजीआईएमएस की न्यू ओपीडी लॉबी में मनोरोग विभाग की ओर से पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंचे थे। इसका उद्देश्य मरीजों, उनके परिजनों और आमजन को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना था। कुलपति डॉ. अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह दिल, लिवर और किडनी की देखभाल जरूरी है, उसी तरह मन को स्वस्थ रखना भी आवश्यक है। शारीरिक बीमारी के लक्षण कई बार दिखाई दे जाते हैं, लेकिन मानसिक परेशानी व्यक्ति को अंदर ही अंदर प्रभावित करती रहती है। तनाव, चिंता, अवसाद, नींद न आना और नशे की लत जैसे लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि असफलता को जीवन का अंत न समझें। माता-पिता, दोस्तों या डॉक्टर से खुलकर बात करें। इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर केंद्रित है।



रोहतक। विद्यार्थियों को सम्मानित करते पीजीआईएमएस के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर पोस्टर प्रदर्शनी

प्रदर्शनी में आत्महत्या की रोकथाम, परीक्षा के तनाव, मोबाइल और सोशल मीडिया की लत, महिलाओं में प्रसव के बाद होने वाले अवसाद तथा बुजुर्गों में अकेलेपन जैसे विषयों पर पोस्टर प्रदर्शित किए गए। इनमें मानसिक रोगियों की गोपनीयता, गरिमा और सम्मान बनाए रखने का संदेश भी दिया गया। सोशल मीडिया के कारण तनाव बढ़ रहा है। विभाग की ओर से स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में काउंसलिंग शिविर, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और जागरूकता रैलियां आयोजित की जा रही हैं।

कारण और निवारण

डिजिटल विस्थापन: स्क्रीन पर अत्यधिक समय बिताना और पैसिव सोशल मीडिया उपयोग (जैसे इंस्टाग्राम, टिकटॉक या स्नैपचैट पर स्क्रॉल करना) अक्सर वास्तविक दुनिया की सार्थक बातचीत को बढ़ाने के बजाय उसकी जगह ले लेता है।

थर्ड स्पेसेस (तीसरे स्थानों) की कमी: युवाओं के पास अब ऐसे सुलभ, कम लागत वाले सामुदायिक स्थान (जैसे यूथ क्लब, पार्क या कम्युनिटी सेंटर) कम हैं, जहां वे बिना किसी दबाव के आसानी से इकट्ठा हो सकें।

प्रतिस्पर्धी संस्कृति: तीव्र शैक्षणिक दबाव, परिवारों का छोटा होना व युवाओं के पास गहरे संबंध बनाने के लिए मानसिक शांति और स्वाभाविक अवसर कम बचे हैं।

पहचान में बदलाव: किशोरावस्था तेजी से होने वाले संज्ञानात्मक और सामाजिक बदलावों का दौर होती है, जो किशोरों को साथियों के मूल्यांकन, बहिष्कार या अपराध के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है।

हरियाणा के 13 जिलों से लगभग 600 खिलाड़ी पहुंचे

महम में 13वें स्टूडेंट्स स्टेट ओलंपिक खेलों का आगाज

सहीराम स्कूल के खेल मैदान में जोहर दिखाएंगे खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

शनिवार को सहीराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल महम के खेल मैदान मे 13वें स्टूडेंट्स स्टेट ओलंपिक खेलों का आगाज हुआ। इन खेलों का शुभारंभ शनिवार को समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने किया।

इस स्पर्धा में हरियाणा के 13 जिलों से लगभग 600 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खेल समारोह की अध्यक्षता स्टूडेंट्स ओलंपिक के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप भारद्वाज ने की। समारोह में महम स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष एवं सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन जोगिंदर गिरोत्रा और भाजपा मंडल प्रभारी सतपाल सडाना भी शामिल हुए। रामचंद्र जांगड़ा ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, मेहनत, आत्मविश्वास और टीम भावना को भी मजबूत बनाते हैं।

इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। प्रतियोगिता में प्रदेश के 13 जिलों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी ने आयोजन को विशेष बनाया। आयोजकों का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। खेल आयोजन समिति के सदस्य महेश भारद्वाज ने बताया कि खेलों का समापन समारोह रविवार शाम को आयोजित किया जाएगा।

पूर्व सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने किया शुभारंभ



महम। स्टूडेंट ओलंपिक खेलों को शुभारंभ करते पूर्व सांसद रामचंद्र जांगड़ा।

नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा की मिक्स्ड रिले टीम ने कांस्य पदक जीता

रोहतक। 65वीं नेशनल ओपन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा की मिक्स्ड 4 गुणा 100 मीटर रिले टीम ने कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल में हरियाणा की टीम ने 43.97 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने बताया कि फाइनल मुकाबले में रेलवे स्पोर्ट्स बोर्ड की टीम ने 42.82 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता, जबकि दिल्ली की टीम 43.75 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रही और रजत पदक अपने नाम किया। हरियाणा की पदक विजेता टीम में यमुनानगर की नुजरत, रोहतक के धर्मबीर, झज्जर की नैंसी और जींद की सोनिया शामिल रहे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य राजकुमार मितान और एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रदेश के लिए गौरव की बात है।



एमडीयू हैंडबॉल स्पर्धा में जाट कॉलेज और एमकेजेकेएम रोहतक बने चैंपियन



रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक में आयोजित इंटर कॉलेज हैंडबॉल प्रतियोगिता 2026-27 में जाट कॉलेज, रोहतक और एमकेजेकेएम, रोहतक की टीमों ने खिताब अपने नाम किए। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 11 टीमों के 176 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. रणदीप राणा ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी भी जरूरी है। एमडीयू के खेल निदेशक प्रो. कुलताज सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने और युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। खेल युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पुरुष वर्ग में जाट कॉलेज, रोहतक प्रथम, जीसी सांपला द्वितीय, सैनी कॉलेज, रोहतक तृतीय और डीएवी सेंट कॉलेज, फरीदाबाद चौथे स्थान पर रहा। महिला वर्ग में एमकेजेकेएम, रोहतक ने पहला, टीआरजी कॉलेज, सोनीपत ने दूसरा, यूटीडी एमडीयू, रोहतक ने तीसरा और जीवीएम कॉलेज, सोनीपत ने चौथा स्थान हासिल किया। समारोह में प्रो. रणदीप राणा और प्रो. कुलताज सिंह ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल और ट्रॉफियां देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सहायक खेल निदेशक डॉ तेजपाल, खेल विभाग के कोच, कॉलेजों के खेल प्रभारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

विद्या श्री इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिकोत्सव आगाज़-13 में बच्चों ने बिखेरे प्रतिभा के रंग



बच्चों ने 'अराउंड द वर्ल्ड' थीम के तहत विभिन्न देशों की संस्कृति-परंपराओं को प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विद्या श्री इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव 'आगाज़-13' एमडीयू के टैगोर ऑडिटोरियम में धूमधाम से आयोजित किया गया। तीन सत्रों में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

पहले सत्र में कक्षा पहली से तीसरी तक के विद्यार्थियों ने 'अराउंड द वर्ल्ड' थीम के तहत विभिन्न देशों की संस्कृति और परंपराओं को प्रस्तुत किया। दूसरे सत्र में प्लेग्रुप से पीपी-2 तक के नन्हे विद्यार्थियों ने 'मैजिकल चाइल्डहुड' थीम पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। तीसरे सत्र में कक्षा चौथी से छठी तक के विद्यार्थियों ने 'प्रतीकों में झलकता भारत' थीम के माध्यम से भारतीय संस्कृति और गौरवशाली विरासत की झलक दिखाई।

कार्यक्रम में डॉ. मनु राठी, डॉ. शशि बाला और जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा मुख्य अतिथि रहे। सोनिया मलिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रधानाचार्या रिशु विकास सिवाच ने अतिथियों का स्वागत किया। चेयरमैन डॉ. विकास सिवाच ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अनुशासन की सराहना की।

महिला कॉलेज की एथलेटिक मीट में रूबी बनीं बेस्ट एथलीट



रोहतक। राजकीय महिला महाविद्यालय, लाखन माजरा में आयोजित दो दिवसीय 17वीं वार्षिक एथलेटिक मीट के दूसरे दिन छात्राओं ने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में हरियाणा महिला विकास निगम की चेयरपर्सन एवं जूडो कोच सुनीता दांगी मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने छात्राओं को खेलों में भाग लेने और अनुशासन व निरंतर अभ्यास से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या इंदू सपरा ने भी छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिताओं में डिस्कस थ्रो में सोनिया, 400 मीटर दौड़ में रितु और 100 मीटर दौड़ में रूबी ने प्रथम स्थान हासिल किया। मटकी दौड़ में साक्षी विजेता रहीं। रस्साकशी में एमए हिंदी की टीम और कबड्डी में अंजलि की टीम ने बाजी मारी। रूबी को बेस्ट एथलीट चुना गया। विजेताओं को पुरस्कार और रूबी को प्रोत्साहन राशि दी गई। खेल निदेशक डॉ. सचिन दलाल के निर्देशन में आयोजन हुआ। मंच संचालन डॉ. राकेश कुमार और डॉ. सुमित रानी ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

डीएमए में सीबीएसई नेशनल लॉन टेनिस चैंपियनशिप हुई

रोहतक। दयावती मोदी अकादमी (डीएमए), रोहतक में आयोजित सीबीएसई नेशनल लॉन टेनिस चैंपियनशिप 2026 का समापन हुआ। प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। रोहतक की खुशी कादियान ने अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स में स्वर्ण पदक जीतकर शहर का नाम रोशन किया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेन्नई की इलियाना के. को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। समापन समारोह में भंते डॉ. बुद्ध प्रताप विनय, एकलव्य स्पोर्ट्स फाउंडेशन के संस्थापक अजय बेदी, लॉर्ड बुद्धा सिटी भगवतीपुर के संयोजक डॉ. राजेश कुमार और शूटिंग में रजत पदक विजेता शार्दुल विहान आयन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सीबीएसई पर्यवेक्षक जेएस नंदा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता में अंडर-19 बॉयज सिंगल्स में याज मलिक ने स्वर्ण और गुनराई ने रजत पदक जीता। अंडर-14 गर्ल्स सिंगल्स में एवाना अरोड़ा ने स्वर्ण और शर्वी गहलौत ने रजत पदक हासिल किया। अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स में खुशी कादियान के अलावा इलैयानिला के. ने रजत पदक जीता। अंडर-19 गर्ल्स सिंगल्स में बानु जी. अस्विन ने स्वर्ण और मिराया अग्रवाल ने रजत पदक हासिल किया। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने कांस्य पदक भी जीते। प्राचार्य राजीव ढाका ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, टीम प्रभारियों, तकनीकी अधिकारियों, सीबीएसई पर्यवेक्षक और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का सफल आयोजन विद्यालय के लिए गर्व की बात है।

रोहतक की खुशी कादियान ने स्वर्ण पदक पर जमाया कब्जा



नपा में रक्तदान शिविर 22 को

महम। जनसेवा समिति की ओर से वीरवार 22 अक्टूबर को नगर पालिका महम के कार्यालय में रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। जनसेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष बसंत लाल गिरधर ने बताया कि समिति का यह 181 वां रक्तदान शिविर है। शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा। इस शिविर में अधिक से अधिक व्यक्ति रक्तदान करके पुण्य के भागी बनें।

राजकीय महिला महाविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

एआई टूल्स के प्रभावी इस्तेमाल से शिक्षण और शोध कार्य होंगे आसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में मेधा फाउंडेशन और प्लेसमेंट सेल की ओर से उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। कार्यशाला में 45 शिक्षकों ने भाग लिया। अंतिम दिन शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से शिक्षण, शोध और कक्षा गतिविधियों को प्रभावी बनाने की जानकारी दी गई।



ये रहे मौजूद

आयोजन में मेधा फाउंडेशन के पंकज कोहली, प्रियांशु, प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. सविता व आईक्यूएसी टीम के डॉ. ज्योति, प्रो. अंजू और डॉ. पुष्प दीप डागर ने अहम भूमिका निभाई।

विषय विशेषज्ञ डॉ. शब्दा बेदी ने चैटजीपीटी से बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए स्पष्टता, संदर्भ, सीमाएं, रचनात्मकता और जांच-सत्यापन पर आधारित 5सी फॉर्मूले की जानकारी दी। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि एआई के उचित इस्तेमाल से समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करना आसान हो सकता है। पंकज कोहली ने सरकारी नीतियों के निर्माण में एआई की उपयोगिता और विभिन्न परियोजनाओं के लिए चैटजीपीटी पर अलग-अलग फोल्डर बनाकर काम करने के तरीके समझाए। शिक्षकों को जिगसॉ तकनीक, मेंटीमीटर और खूट, गामा व कैनवा जैसे ऑनलाइन टूल्स की जानकारी भी दी गई। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. शमशेर सिंह ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

एनसीसी कैडेट अतुल ने राष्ट्रीय ट्रेकिंग कैंप में जीता स्वर्ण पदक



रोहतक। गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज, रोहतक के एनसीसी कैडेट अतुल ने राष्ट्रीय स्तर पर रस्साकशी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती स्थित सुहेलवा वन्यजीव अभयारण्य में 1 से 8 अक्टूबर तक आयोजित ऑल इंडिया एनसीसी यूपी ट्रेकिंग कैंप-2026 में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। अतुल ने शिविर में 1 हरियाणा बटालियन एनसीसी, रोहतक का प्रतिनिधित्व किया।

कॉलेज की एनसीसी केयरटेकर अधिकारी डॉ. मंजू देवी ने कहा कि अतुल ने मेहनत, अनुशासन और टीम भावना के दम पर सफलता प्राप्त की है। इसमें बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुखविंदर सिंह, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अमन चौधरी और डॉ. मंजू देवी का मार्गदर्शन रहा। कॉलेज प्राचार्य डॉ. जय पाल शर्मा ने अतुल को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि अन्य कैडेट्स के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

Govt. Regd.
WINTRON LIBRARY
...peaceful place to win your dreams
FACILITIES
- Peaceful with strict disciplined & Motivational environment
- Situated in Sec-14 in front of MDU Gate No. 2
- Best Lighting for study
- Separate Seats for Girls
- Employment Newspaper
- Well furnished & Fully A.C.
- Free Wi-Fi Zone
- 24x7 power backup
- Parking Facility
- CCTV Surveillance
- Reserve Seats Available
- Fix Seats Available
- Seats with Computer Facility available
Address: SCO-6, Sector-14, Rohtak
Contact: 8930246662

SHRI GORAKH CYBER CAFE
Online Services | CSC | Print | Scan | Photocopy
CSC & जनसेवा केन्द्र
CSC ID: 464546120011
आवश्यकता है
COMPUTER OPERATOR
(MALE/FEMALE)
पद: Computer Operator (M/F)
योग्यता: Basic Computer Knowledge
समय: Full Time स्थान: Rohtak
संपर्क: 9812515432
Shri Gorakh Cyber Cafe Janta Colony, Rohtak

करोड़ों की लागत से सरकार कर रही मशीन की खरीद

अब पीजीआईएमएस में होगी डिजिटल मैमोग्राफी, मिलेगी सुविधा

रोजाना 50 से अधिक मरीज पहुंच रहे, जांच में मिलेगी मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ब्रेस्ट कैंसर के बढ़ते मामलों के बीच पीजीआईएमएस में जांच की सुविधा को आधुनिक बनाने की तैयारी है। संस्थान में कई साल से डिजिटल मैमोग्राफी मशीन का इंतजार किया जा रहा था, जो अब खत्म होने जा रहा है। सरकार करीब एक करोड़ की लागत से यह मशीन खरीद रही है। इसके स्थापित होने के बाद मरीजों की मैमोग्राफी जांच पहले से अधिक सुविधाजनक तरीके से हो सकेगी और रोजाना अधिक संख्या में महिलाओं की जांच करने की क्षमता भी बढ़ेगी। अभी संस्थान में सामान्य तरीके से कम मरीजों की ही मैमोग्राफी की जाती है। ऐसे में नई मशीन आने से जांच व्यवस्था को आधुनिक बनाने और मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पीजीआई में रोज 50 से अधिक मरीज जांच के लिए पहुंच रहे है।

हेल्थ अलर्ट

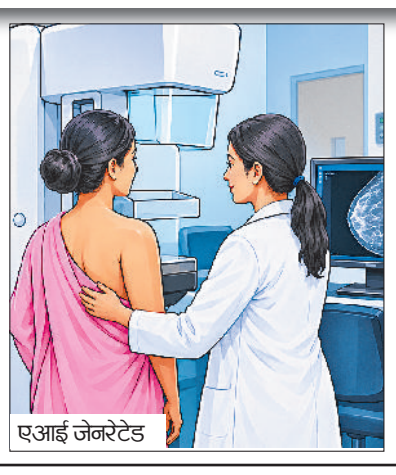

एआई जेनरेटेड

ब्रेस्ट कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए फैसला

पीजीआईएमएस में ब्रेस्ट कैंसर के मरीज लगातार उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें कम उम्र की महिलाओं के मामले भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में समय पर बीमारी की पहचान करना और जांच की सुविधाओं को मजबूत करना जरूरी हो गया है। ब्रेस्ट कैंसर की समय रहते पहचान होने पर मरीज को उपचार शुरू करने में मदद मिलती है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए पीजीआईएमएस के कुलपति डॉ एचके अग्रवाल हुए संस्थान में डिजिटल मैमोग्राफी मशीन उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाया गया है। मशीन आने से जांच की प्रक्रिया को आधुनिक तकनीक से जोड़ने में मदद मिलेगी। साथ ही मरीजों को बेहतर जांच सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में संस्थान की क्षमता बढ़ेगी।

रेडियोलॉजी विभाग में स्थापित होगी मशीन

डिजिटल मैमोग्राफी मशीन को पीजीआईएमएस के रेडियोलॉजी विभाग में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए मशीन की खरीद की प्रक्रिया सरकार की ओर से की जा रही है। मशीन उपलब्ध होने के बाद इसे स्थापित करने और जांच व्यवस्था शुरू करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके संचालन के लिए जरूरी स्टाफ बढ़ाने की भी योजना है। इससे मशीन के उपयोग और मरीजों की जांच व्यवस्था को सुचारू बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

कैंसर की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका

मैमोग्राफी स्तन में गांठ या अन्य असामान्य बदलावों की पहचान करने के लिए इस्तेमाल होने वाली विशेष जांच है। डिजिटल मैमोग्राफी में स्तन की डिजिटल तस्वीरें तैयार की जाती हैं, जिनका चिकित्सक अध्ययन करते हैं। यह जांच स्तन कैंसर की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि, हर गांठ कैंसर नहीं होती और जांच रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सक आगे की जांच या उपचार की सलाह देते हैं।

मरीजों को बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद



डिजिटल मैमोग्राफी मशीन आने से पीजीआईएमएस में ब्रेस्ट कैंसर से सम्बंधित बीमारियों की जांच के लिए उपलब्ध संसाधनों को मजबूती मिलेगी। नई मशीन से पहले की बजाए और बेहतर जांच होगी और मरीजों को उपचार के लिए आसानी रहेगी। संस्थान का प्रयास है कि भविष्य में मरीजों के उपचार को और बेहतर बनाया जा सके।

-डॉ मंजूनाथ बीसी, सीनियर प्रोफेसर एवं इंचार्ज जनसंपर्क विभाग पीजीआईएमएस

सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर प्रशासन अलर्ट, शहर में चाक-चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था

दिल्ली जाने से पहले ही नेता डिटेन

किसान नेताओं के घर भी पहुंची सीआईडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक



दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले रोहतक में भी हलचल तेज हो गई। प्रदर्शन में शामिल होने की तैयारी कर रहे जिला परिषद सदस्य जयदेव डागर के घर सुबह पुलिस पहुंची तो ग्रामीण एकत्रित हो गए। ग्रामीणों का दावा है कि उन्होंने पुलिसकर्मियों को वहीं बैठा लिया और जयदेव को साथ ले जाने का विरोध किया। उधर, प्रशासन ने प्रदर्शन को लेकर निगरानी बढ़ा दी है। किसान नेत्री मोनिका नैन समेत किसान नेताओं के घर भी सीआईडी की टीमें पहुंचीं। ग्रामीण सोमबीर के अनुसार, सुबह करीब सात बजे पुलिस जयदेव डागर के घर पहुंची थी। सूचना मिलने पर गांव के लोग एकत्रित हो गए और आसपास के करीब 11 गांवों तक भी खबर पहुंच गई। ग्रामीणों का कहना है कि जयदेव को प्रदर्शन में जाने से रोकने के लिए पुलिस आई थी, जिसका उन्होंने विरोध किया। ग्रामीण रणबीर ने दावा किया कि पुलिसकर्मियों को बैठा लिया गया है और जब तक पुलिस की ओर से लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता कि जयदेव को आगे परेशान नहीं किया जाएगा, तब तक उन्हें नहीं जाने दिया जाएगा।

ग्रामीण उम्मेद सिंह ने कहा कि 11 गांवों के लोगों ने मिलकर जयदेव को जिला परिषद सदस्य चुना है और वे उन्हें इस तरह ले जाने का विरोध करेंगे। जयभगवान ने कहा कि युवा अपने अधिकारों की आवाज उठाने के लिए दिल्ली जा रहे हैं और जयदेव भी प्रदर्शन में शामिल होने वाले थे।

पहले भी ऐसे ही रोके जा चुके हैं नेता

जयदेव डागर को इससे पहले 4 जून को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जाते समय सांपला में साथियों सहित पकड़ा गया था। वहीं, 26 जुलाई को संसद कूच से पहले उन्हें जिला विकास भवन से डिटेन किया गया था। उस दौरान किसान नेत्री मोनिका नैन और किसान नेता रणधीर सिंह व उमेद सिंह को भी घरों पर रोका गया था।

धारा 163 लागू, प्रदर्शन की अनुमति नहीं

प्रशासन ने सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए हैं और प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं दी है। दिल्ली पुलिस की ओर से भी प्रस्तावित प्रदर्शन को अवैध बताते हुए कार्रवाई की चेतावनी दिए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में रोहतक में पुलिस और खुफिया तंत्र की निगरानी बढ़ गई है।

धर्मेंद्र शर्मा रिटौली को थाने में बिठाया

रोहतक। जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण सचिव धर्मेंद्र शर्मा रिटौली ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल होने जाते समय पुलिस ने उन्हें रास्ते से डिटेन कर थाने में बैठा दिया। धर्मेंद्र शर्मा के अनुसार, वह अमावस्या की पूजा के लिए खेतों की ओर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया।



कांग्रेस नेता अमन वशिष्ठ हिरासत में

रोहतक। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट अमन वशिष्ठ को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल होने से पहले पुलिस ने उनके आवास से हिरासत में ले लिया। वशिष्ठ ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनहित की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर कार्रवाई और इस्तीफे की मांग करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा।



रेलवे स्टेशन पर सन्नाटा, भटकते रहे यात्री

रोहतक। दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन के चलते रेल यातायात प्रभावित रहने का असर रोहतक रेलवे स्टेशन पर भी देखने को मिला। आम दिनों में यात्रियों की आवाजाही से व्यस्त रहने वाले स्टेशन पर शनिवार को सन्नाटा पसरा रहा। ट्रेनों के रद्द रहने के कारण दैनिक यात्रियों ने स्टेशन का रुख नहीं किया, जबकि दिल्ली की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या भी काफी कम रही। वहीं, स्टेशन पर पहुंचे प्रवासी यात्रियों की जीआरपी पुलिस ने टिकट जांच की। दूसरी ओर, रोडवेज बसों का संचालन जारी रहा, लेकिन दिल्ली की तरफ यात्रियों की कमी के चलते कई बसों को बहादुरगढ़ से ही वापस लौटना पड़ा।



दैनिक यात्रियों को पहले ही दी गई थी सूचना

दिल्ली की ओर रोजाना नौकरी, कारोबार और अन्य कामों के लिए आने-जाने वाले यात्रियों को संभावित परेशानी से बचाने के लिए दैनिक यात्री संघ ने पहले ही सूचना साझा कर दी थी। इसके चलते नियमित रूप से ट्रेन से सफर करने वाले कई यात्रियों ने शनिवार को अपनी यात्रा टाल दी या आने-जाने के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार किया।

अमेरिकी नागरिकों को बना रहे थे निशाना

फर्जी फ्लाइट बुकिंग वेबसाइट से डॉलर की ठगी, दो गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विदेशी नागरिकों को सस्ती या सुविधाजनक फ्लाइट बुकिंग का झांसा देकर डॉलर की ठगी करने वाले गिरोह पर रोहतक पुलिस ने शिकंजा कसना जारी रखा है। गांव सुंदरपुर के खेतों में फर्जी कॉल सेंटर चलाकर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी रवित और गुरुग्राम निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में गिरोह के 10 सदस्य पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दोनों नए आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के नेटवर्क और ठगी के तरीके से जुड़ी जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

अब तक 12 गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, इस मामले में पहले 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दो और गिरफ्तारियों के बाद कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 12 हो गई है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, इस्तेमाल किए गए डिजिटल माध्यमों और ठगी के संभावित दायरे की जांच कर रही है। साइबर थाना केस दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, मामले की गहनता से जांच जारी है।

मोबाइल और लैपटॉप से करते थे कॉल

पुलिस टीम जब फार्म पर पहुंची तो वहां चार युवक संदिग्ध गतिविधियों में लगे मिले। इनमें दो युवक मोबाइल फोन पर, एक लैपटॉप पर और दूसरा ईयरफोन लगाकर अंग्रेजी में बातचीत कर रहा था। पुलिस के अनुसार, वे विदेशी नागरिकों को फ्लाइट बुकिंग के नाम पर ठगने के लिए बातचीत कर रहे थे।

8वें वेतन आयोग का लाभ सभी पेंशनर्स को समान रूप से देने की मांग उठाई

रोहतक। अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर फैडरेशन की राज्य कार्यकारिणी की बैठक कर्मचारी भवन में राज्य प्रधान मास्टर वजीर सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पेंशनरों की मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई। मंच संचालन रतन कुमार जिंदल ने किया। मास्टर वजीर सिंह ने बताया कि 12 दिसंबर को अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ और अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर फैडरेशन की ओर से दिल्ली के रामलीला मैदान में देशव्यापी रैली आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न राज्यों के पेंशनर भाग लेंगे। रैली की तैयारी के लिए 12 टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक जिले में सम्मेलन और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मांगों का प्रचार किया जाएगा। राज्य प्रेस सचिव जगपाल सांगवान ने कहा कि पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग का लाभ समान रूप से मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार वैलिडेशन एक्ट 2025 की आड़ में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लाभ से वंचित करना चाहती है। बैठक में बलवान नांदल, जयप्रकाश शास्त्री, कृष्ण शर्मा, मनोहर जाखड़, ओमप्रकाश सैनी और मास्टर शेर सिंह सहित विभिन्न जिलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।



बच्चों में बढ़ते तनाव को लेकर सेमिनार में की चर्चा



रोहतक। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर चिकित्सा विज्ञान संस्थान कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा एक विशेष राज्य स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभाग के प्रोफेसर डॉ. रमेश वर्मा के संयोजन में संपन्न हुआ, जिसमें संस्थान की कार्यवाहक निदेशक डॉ. सुजाता ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का अभिन्न अंग बनाने पर बल दिया। ऑफलाइन सत्र में कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर्स, वरिष्ठ स्कूल शिक्षकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और पोस्टग्रेजुएट रेजिडेंट्स सहित लगभग 70 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। सेमिनार में मनोरोग विभाग (साइकियाट्री) के विशेषज्ञ डॉ. हितेश खुराना और डॉ. प्रीति ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने व्याख्यान दिए। डॉ. प्रीति ने बच्चों व किशोरों में बढ़ते तनाव, अवसाद और डिजिटल थकान के शुरुआती लक्षणों की पहचान तथा समय पर रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में समागार में उपस्थित प्रतिभागियों के अलावा पूरे हरियाणा के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों बीपीएस सोनीपत, एसएचकेएममेवात, ईएसआईसी फरीदाबाद आदि के चिकित्सक जुड़े।

सस्ता सामान बेचने को लेकर दुकानदार पर ईंट से हमला

खेड़ी साध में दो बर्तन दुकानदारों के बीच विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव खेड़ी साध में सस्ता सामान बेचने को लेकर दो बर्तन दुकानदारों के बीच विवाद हो गया। एक दुकानदार ने दूसरे पर ईंट से हमला करने और लात-घूंसों से मारपीट करने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर आईएमटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव खेड़ी साध निवासी विशाल ने बताया कि गांव में उसकी बर्तन की दुकान है। गांव के ही रवि की भी बर्तन की दुकान है। विशाल के अनुसार, रवि उसे बार-बार धमकी देता था कि वह सामान सस्ता न बेचे, अन्यथा उसे देख लेने की बात कहता था। विशाल ने आरोप लगाया कि 9 अक्टूबर को वह अपनी दुकान पर जा रहा था। रास्ते में रवि ने उसे रोक लिया और ईंट से चोटें मारीं। जब वह बचने के लिए भागने लगा तो आरोपी ने उसे पकड़कर लात-घूंसों से पीटा।



इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर आरोपी अपनी दुकान की ओर चला गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, विशाल ने शिकायत के साथ 9 अक्टूबर की एमएलआर भी पेश की। मेडिकल रिपोर्ट में दो चोटें दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महम अनाज मंडी में किसानों व व्यापारियों को साइबर ठगी से बचाव के बताए उपाय



रोहतक। अनाज मंडी में फसल बेचने के बाद भुगतान के नाम पर होने वाली साइबर ठगी से बचने के लिए किसानों और व्यापारियों को जागरूक किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत साइबर पुलिस ने महम अनाज मंडी में जागरूकता शिविर लगाकर डिजिटल धोखाधड़ी के तरीकों और उनसे बचाव के उपाय बताए। मार्केट कमेटी चेयरमैन कैप्टन ईश्वर सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिला प्रभारी डॉ. अशोक कुमार रंगा और जिला समन्वयक हरिओम मित्तल भाली मौजूद रहे।डॉ. अशोक कुमार रंगा ने बाजरे व धान की खरीद व्यवस्था का जायजा लेते हुए पारदर्शी खरीद और समयबद्ध भुगतान पर जोर दिया। साइबर पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी अनजान व्यक्ति को ओटीपी, एटीएम पिन, यूपीआई पिन या बैंक खाते की गोपनीय जानकारी साझा न करें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और फर्जी भुगतान संदेशों पर भरोसा करने से बचें। साइबर ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करवाएं। डॉ. रंगा ने कहा कि डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता जरूरी है। किसानों और व्यापारियों को तकनीक का सुरक्षित उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के बाद उन्होंने मंडी में बाजरे व धान की खरीद प्रक्रिया, तौल व्यवस्था और किसानों को मिल रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंडी आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान धर्मवीर सिवाच सहित किसान, व्यापारी और अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

धर्म-कर्म नौ दिन मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की होगी पूजा

व्रत के दौरान खानपान और नियमों का रखें ध्यान

आज से शुरू होंगे शारदीय नवरात्र, सुबह 6:19 से कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मां दुर्गा की आराधना का पावन पर्व शारदीय नवरात्र रविवार से शुरू हो गया है। नौ दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। मंदिरों में पूजा-अर्चना की तैयारियां की जा रही हैं, वहीं घरों में भी भक्त कलश स्थापना कर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करेंगे। नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की आराधना की जाएगी। वहीं महामंडलेश्वर बाबा कपिलपुरी महाराज ने शनिवार को खेतरी के बीज बोकर पूरा अर्चना शुरू की। इस दौरान श्रद्धालु व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करेंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 10 अक्टूबर की रात 9:19 बजे शुरू हो चुकी है, जो 11 अक्टूबर की रात 9:30 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर नवरात्र की शुरुआत 11 अक्टूबर से मानी जाएगी। नवरात्र के पहले दिन घटस्थापना यानी कलश स्थापना का विशेष महत्व है। इसे मां दुर्गा का आह्वान करने और नौ दिवसीय पूजा की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।



रोहतक। मां की ज्योत जलाते बाबा कपिल पुरी महाराज।

सुविधा के अनुसार तय करें समय

पंचांग के अनुसार 11 अक्टूबर को सुबह 6:19 बजे से 10:12 बजे तक घटस्थापना का शुभ मुहूर्त रहेगा। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:44 बजे से दोपहर 12:31 बजे तक बताया गया है। श्रद्धालु अपनी सुविधा और स्थानीय पंचांग के अनुसार पूजा का समय तय कर सकते हैं। रोहतक में पूजा करने वाले श्रद्धालु स्थानीय पंडित या पंचांग से समय की पुष्टि भी कर लें, क्योंकि अलग-अलग पंचांगों में गणना के कारण कुछ अंतर हो सकता है। कलश स्थापना के लिए सबसे पहले पूजा स्थल की सफाई कर मां दुर्गा की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित की जाती है। इसके बाद मिट्टी के पात्र में जौ बोए जाते हैं और जल से भरा कलश तैयार किया जाता है।

अष्टमी-नवमी पर कन्या पूजन, 20 को दशहरा

पहले दिन मां शैलपुत्री, दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कूष्मांडा, पांचवें दिन मां स्कंदमाता, छठे दिन मां कात्यायनी, सातवें दिन मां कालरात्रि, आठवें दिन मां महागौरी और नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की आराधना की जाएगी। श्रद्धालु प्रतिदिन देवी के स्वरूप के अनुसार पूजा, भोग और मंत्र-जाप करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि सच्चे मन से मां दुर्गा की आराधना करने से जीवन में सकारात्मकता, साहस और आत्मविश्वास बढ़ता है। क्टूबर को महानवमी मनाई जाएगी। अष्टमी पर मां महागौरी की पूजा, जबकि नवमी पर मां सिद्धिदात्री की आराधना की जाएगी। कई परिवारों में अष्टमी या नवमी के दिन कन्या पूजन किया जाता है। इसमें छोटी कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर भोजन कराया जाता है और उपहार देकर आशीर्वाद लिया जाता है। इसके बाद 20 अक्टूबर को विजयादशमी यानी दशहरा मनाया जाएगा। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है।

नीट में सफलता हासिल कर ईशा सैनी ने रोहतक का चमकाया नाम



रोहतक। चुन्नीपुरा निवासी ईशा सैनी ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर एमबीबीएस में दाखिला प्राप्त किया है। तीसरी काउंसलिंग में उन्हें महाराष्ट्र के अहमदनगर स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में सीट आवंटित हुई है। ईशा सैनी, सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य डॉ. आरके सैनी की पोती और एडवोकेट विपिन सैनी की बेटी हैं। उनकी उपलब्धि पर परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ईशा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, परिवार के आशीर्वाद तथा एमडीएन पब्लिक स्कूल, रोहतक और विद्यापीठ-फिजिक्स वाला कोचिंग सेंटर के शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करने का सपना था। दृढ़ संकल्प, मेहनत, धैर्य और एकाग्रता से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। ईशा की उपलब्धि पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट हरि स्वरूप हुड्डा, पूर्व प्रधान लोकिंदर सिंह फोगाट और अरविंद श्योराण सहित अन्य अधिवक्ताओं ने बधाई दी। सैनी एजुकेशनल सोसाइटी के प्रधान अवनीश कुमार सैनी, सैनी कॉलेज के प्रधान धर्म सिंह दहिया और कार्यकारिणी सदस्यों ने भी ईशा व उनके परिवार को सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 11 अक्टूबर 2026

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

शारदीय नवरात्र विशेष

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्माइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। *

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन



भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। *

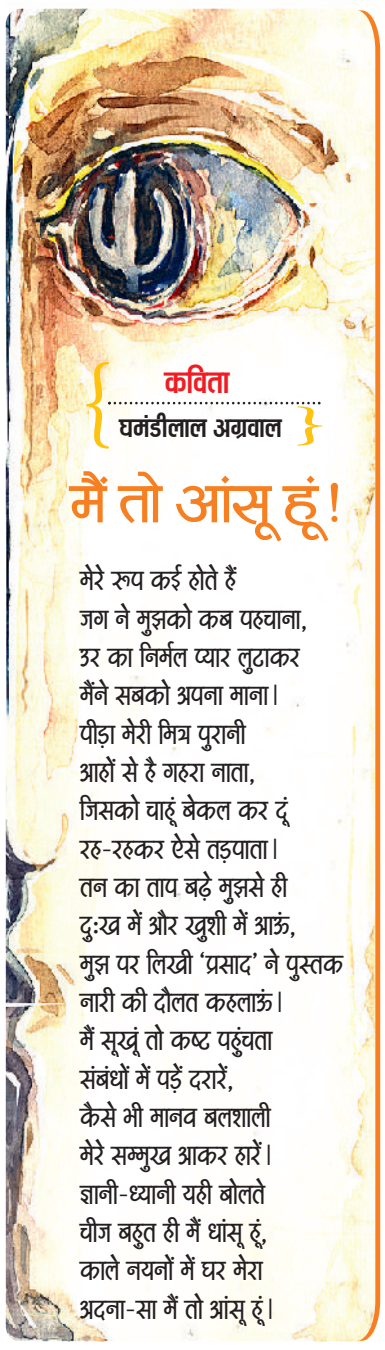

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। *

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।



उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए

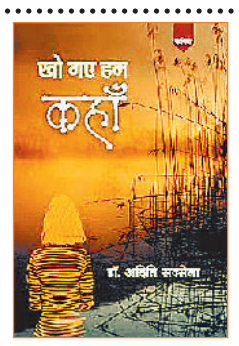

हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। *

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

द्वीपीय जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता

अंडमान-निकोबार का कोकोनट कार्निवल



नारियल की खुशबू, समुद्री लहरों की हरहराती आवाज और स्थानीय संस्कृति के विविध रंग, अंडमान और निकोबार द्वीप का कोकोनट कार्निवल इन सबको एक साथ समेटता है। हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव, नारियल के बहाने इन द्वीपों के खान-पान, परंपरा, कला और संस्कृति से भी रूबरू कराता है।

पर्व-संस्कृति
धीरज बसाक

समुद्र के बीच में बसे द्वीपों की अपनी एक अलग भाषा होती है। रास्तों के किनारे झूमते नारियल के पेड़ किसी स्वागत द्वार की तरह लगते हैं और दूर तक फैला नीला पानी यह एहसास करा देता है कि भारत की भौगोलिक कहानी सिर्फ पहाड़ों, मैदानों और रेगिस्तान तक ही सीमित नहीं है। अंडमान-निकोबार पहुंचकर नजर जब नारियल के पेड़ों पर ठहरती है, तो समझ में आता है कि यहां नारियल महज एक फल या पेड़ नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, खानपान और स्थानीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा भी है। इस रिश्ते को उत्सव में बदल देता है यहां का कोकोनट कार्निवल, जो इस साल 17 से 18 अक्टूबर 2026 को आईटीएफ ग्राउंड, विजय पुरम पोर्ट ब्लेयर में आयोजित होगा।

द्वीपीय जीवनशैली को करीब से देखने का मौका

अंडमान-निकोबार में हर साल अक्टूबर माह में आयोजित होने वाला यह यह पारंपरिक मेला, अपना एक अलग ही चुंबकीय आकर्षण रखता है। इस मौके पर यहां आने वाले पर्यटकों को इन द्वीपों की असली जीवनशैली को करीब से देखने का मौका मिलता है। नारियल से बने खाद्य पदार्थ, स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्थानीय स्वाद, सब मिलकर इसे सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि अंडमान की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान की झलक बना देते हैं। सैलानियों के लिए किसी जगह की असली खूबसूरती उसके प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों से आगे शुरू होती है। समुद्र तटों की तस्वीरें तो हर पर्यटक खींचता है, लेकिन उन समुद्र तटों के आस-पास रहने वाले लोगों का जीवन कैसा है, वे क्या खाते हैं, क्या बनाते हैं और अपनी प्राकृतिक संपदा को किस तरह देखते हैं? इस सबको जानना यात्रा को एक अनोखा अनुभव बना देता है।

समझ आती है नारियल की बहुपयोगिता



यहां पहुंचकर लोगों को पता चलता है कि नारियल सिर्फ मंदिर में चढ़ाने या कुछ मिठाईयों में इस्तेमाल होने तक सीमित नहीं है। इसकी उपयोगिता की बहुत लंबी-चौड़ी लिस्ट है। इसका पानी हमारी प्यास बुझाता है। इसकी गिरी हमारे भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती है। इसका तेल खान-पान से लेकर दूसरे घरेलू कामों में इस्तेमाल होता है, जबकि इसकी जटा और खोल से कई तरह के उपयोगी उत्पाद बनाए जाते हैं। द्वीपों में इसकी मौजूदगी इतनी स्वाभाविक है कि पर्यटकों को शायद पहली नजर में इसकी आर्थिक और सांस्कृतिक भूमिका का अंदाजा भी न हो। कोकोनट कार्निवल इसी रोजमर्रा की चीज को उत्सव के केंद्र में लाकर इसके महत्व को उजागर करता है।

अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ

इस कार्निवल की एक और खूबी है, यहां पर बनाए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों के लजीज स्वाद। अंडमान की यात्रा समुद्री भोजन के स्वाद के बिना अधूरी रहती है। स्थानीय भोजन में कई तरह के समुद्री खाद्य पदार्थों के साथ नारियल की संगति यहां देखते ही बनती है। नारियल आधारित चटनियां, करी और दूसरे स्थानीय व्यंजन यहां आने वाले पर्यटकों को उस स्वाद से परिचय कराते हैं, जो किसी होटल के सामान्य मेन्यू में नहीं मिलता। शाकाहारी यात्रियों के लिए भी यहां नारियल आधारित व्यंजनों की अपनी भरी-पूरी दुनिया है।

संस्कृति के विविध आयामों से परिचय

अंडमान-निकोबार कोकोनट कार्निवल, खान-पान के जरिए भी सैलानियों के सामने स्थानीय संस्कृति परोसता है। यहां की संस्कृति के विविध आयाम हैं, जो सदियों से रह रहे यहां के अनेक समुदायों की परंपराओं से मिलकर बनी है। स्थानीय संगीत और नृत्य, हस्तशिल्प तथा रोजमर्रा के जीवन से जुड़े उत्पाद, इस बात का एहसास कराते हैं कि द्वीपों की संस्कृति मुख्य भूमि से अलग होते हुए भी उसमें भारत की विविधता के चटक रंग घुले हुए हैं।

अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

इस कोकोनट कार्निवल में आया कोई पर्यटक जब स्थानीय उत्पाद खरीदता है, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेता है या स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां देखता है, तो इससे यहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को कई तरह से लाभ पहुंचता है। इस तरह उत्सव पर्यटन को केवल होटल्स और दर्शनीय स्थलों तक सीमित रखने की बजाय उसे स्थानीय समुदायों से जोड़ देता है।

हर अनुभव होता है यादगार

सुबह समुद्र के किनारे सूर्योदय, दिन में द्वीपों की सैर और स्थानीय बाजारों की खोज तथा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव। कोकोनट कार्निवल के समय यहां आने वाले पर्यटक अपनी आंखों में सिर्फ अंडमान-निकोबार द्वीप की खूबसूरती ही नहीं ले जाते बल्कि इस सांस्कृतिक अनुभव को भी ले जाते हैं, जो जीवन भर उनके मन में यहां की याद ताजा बनाए रखता है। कोकोनट कार्निवल की सबसे खूबसूरत बात यही है कि यह किसी पर्यटन अनुभव की नकल करने की बजाय स्थानीय जीवन के साधारण चीज को उत्सव में बदल देता है। एक नारियल के बहाने, प्रकृति, भोजन, रोजगार, हस्तशिल्प, लोकसंस्कृति और पर्यटन, सब एक ही फ्रेम में दिखाई देने लगते हैं। *

रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी द्वीपीय पर्यटन की तरह यहां भी जिम्मेदाराना पर्यटन बहुत जरूरी है। अंडमान-निकोबार के समुद्र तट इसलिए भी लोगों को आकर्षित करते हैं, क्योंकि ये साफ-सुथरे हैं। ऐसे में यह पर्यटकों की जिम्मेदारी भी बनती है कि ये साफ-सुथरे समुद्र तट, बाकी सैलानियों के लिए भी ऐसे ही बने रहें, इसलिए प्लास्टिक कचरा न फैलाना, समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी का सम्मान करना, स्थानीय समुदायों और उनकी परंपराओं की तस्वीर या वीडियो लेने से पहले अनुमति लेना, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देना जैसी बातों का पालन करें। भले ये छोटी बातें लगती हों, लेकिन संवेदनशील द्वीपों के लिए इनका बड़ा महत्व है।

सफल और समृद्ध जीवन की कामना हम सभी करते हैं। इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए आपके व्यक्तित्व और व्यवहार में कुछ विशेष गुणों का होना जरूरी है। इस बारे में जानिए।

आपको सफल-समृद्ध बनाएंगी

व्यक्तित्व की खूबियां-आदतें

सक्सेस मंत्र
नेहा जैन



किसी ने क्या खूब कहा है, दौलत तिजोरी या बैंक खाते में आने से पहले सोच में जन्म लेती है। यानी सफल और समृद्ध होने के लिए हमारी सोच और व्यक्तित्व में कुछ आदतों का शामिल होना जरूरी है।

खुद पर भरोसा: हर बड़ी उपलब्धि की शुरुआत तालियों से नहीं होती। कई बार शुरुआत संदेह और उपहास से होती है। असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले लोगों में अपने विचार और अपनी क्षमता पर एक मजबूत विश्वास दिखाई देता है। इसका मतलब यह नहीं कि वे हर समय सही होते हैं। बल्कि वे गलत होने की संभावना के बावजूद कोशिश करने का साहस रखते हैं। आत्मविश्वास का सही अर्थ है- 'मुझे सब कुछ नहीं आता, लेकिन मैं सीख सकता हूं।' यही सोच नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करती है।

भविष्य का सही अनुमान लगाने की आदत: आम लोग व्यवसाय के लिए देखते या विचार करते हैं कि आज बाजार में क्या चल रहा है? लेकिन असाधारण सोच वाला व्यक्ति सोचता है कि कुछ वर्षों बाद लोग क्या चाहेंगे? बाजार में किस उत्पाद या सेवा की मांग होगी। यही फर्क कई बार विचार और नवाचार के बीच होता है। तकनीक बदल रही हैं, लोगों की आदतें बदल रही हैं, काम करने के तरीके बदल रहे हैं- इन बदलावों को समझकर आगे की तैयारी करना दूरदृष्टि है।



आलोचना से बेपरवाह: जैसे ही आप कुछ नया करेंगे, राय देने वाले लोग मिल जाएंगे। कोई कहेगा, 'यह तुम्हारे बस का नहीं।' कोई कहेगा, 'इसमें पैसा नहीं है।' कोई आपके पुराने अनुभवों का हवाला देकर आपको रोकने की कोशिश करेगा। आलोचना से भागना नहीं चाहिए। लेकिन हर राय को दिल और दिमाग पर नहीं लेना चाहिए। इस विषय में सुलझा हुआ तरीका है सलाह सुनो, उसके तथ्य जांचो, उपयोगी बात अपनाओ और अंतिम निर्णय सोच-समझकर खुद लो।

बेहतर बनने की भूख: असाधारण लोग केवल सफलता पाने की इच्छा नहीं रखते। वे अपने काम में उत्कृष्टता की तलाश करते रहते हैं। यह मानसिकता दूसरों को हराने की तुलना में कहीं अधिक उपयोगी है। यह सूत्र लंबे समय में असाधारण परिणाम दे सकता है।

वर्तमान सुख के बदले बड़ा लक्ष्य: मान लीजिए आपके सामने दो विकल्प हैं अभी दो घंटे मोबाइल पर मनोरंजन या वही दो घंटे किसी जरूरी कौशल को सीखने में लगाना। तुरंत मिलने वाला सुख आकर्षक होगा। लेकिन भविष्य का लाभ अकसर कम दिखाई देता है। इसीलिए आत्म-अनुशासन इतना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब जीवन से आनंद खत्म करना नहीं है। इसका अर्थ है यह समझना कि हर इच्छा को तुरंत पूरा करना जरूरी नहीं।

पैसे की बचत जरूरी: सफल-समृद्ध लोग जानते हैं कि धन का अर्थ केवल अधिक कमाना नहीं है। धन को संभालना, बचाना और समझदारी से उपयोग करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कोई व्यक्ति आय बढ़ा सकता है, लेकिन यदि उसका पूरा पैसा अनियोजित खर्च हो जाए तो आर्थिक सुरक्षा नहीं बनती। यानी पैसे को केवल उपभोग में खत्म करने के बजाय उसे भविष्य के लिए उपयोगी बनाना चाहिए।

जिम्मेदारी स्वीकार करना: जीवन में बहुत कुछ हमारे नियंत्रण से बाहर होता है। बाजार, मौसम, दूसरे लोगों के फैसले और कई परिस्थितियां हमारे हाथ में नहीं होतीं। साथ ही आपको समझना चाहिए कि हर परिस्थिति में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है, जिस पर हमारा नियंत्रण रहता है जैसे-हमारी तैयारी, हमारा व्यवहार, हमारा अगला कदम। यही जिम्मेदारी की भावना व्यक्ति को निष्क्रिय शिकायत से सक्रिय प्रयास की ओर ले जाती है।

सीमित जोखिम लेना: सफलता की कहानियां अकसर जोखिम से जुड़ी होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सफल व्यक्ति आंख बंद करके जोखिम लेते हैं। समझदारी यह है कि जोखिम और संभावित लाभ दोनों को देखा जाए। किसी नई स्किल को सीखने में समय लग सकता है, लेकिन वह वर्षों तक उपयोगी हो सकती है। कोई नया व्यवसाय शुरू करने से पहले बाजार, पूंजी, मांग और संभावित नुकसान समझना जरूरी है। *

हालांकि पान मूल रूप से भारतीय पौधा नहीं है। लेकिन इसकी पहचान प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति से जुड़ी हुई है। पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक संदर्भों, पूजा-पाठ से लेकर औषधि और सामाजिक प्रतिष्ठा के तौर पर इसका उपयोग किया जाता रहा है।

प्राचीन काल से बरकरार है

भारतीय संस्कृति में पान की शान

संस्कृति
शाहिद ए. चौधरी





पान के पत्ते को लेकर रामकथा में सुंदर प्रसंग का वर्णन मिलता है। भगवान श्रीराम का संदेश लेकर जब हनुमानजी लंका की अशोक वाटिका में पहुंचे तो संदेश पाकर माता सीता अत्यधिक प्रसन्न हो गईं और वह इसके लिए हनुमानजी को कोई उपहार देना चाहती थीं, लेकिन उन्हें आस-पास कोई फूल नहीं मिला। तब उन्होंने पास के एक पौधे से ताजा पत्ते तोड़े और उनको आपस में गूंथकर, आशीर्वाद के साथ हनुमानजी को प्रदान किया। वह पौधा पान का था। चूंकि यह प्रेमाशीष माता सीता से उन्हें मिला था, इसलिए हनुमानजी के लिए पान के पत्ते अति प्रिय हो गए, विशेषकर इसलिए कि यह सम्मान, शुद्धता व नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करते हैं। मान्यता है कि तभी से पूजा के दौरान जब हनुमानजी को पान के पत्ते या उनकी माला को अर्पित किया जाता है, तो वे अति प्रसन्न हो जाते हैं क्योंकि इससे उन्हें माता सीता के आशीष की याद आ जाती है। इससे हनुमानजी भक्त को सुख, अच्छी सेहत के आशीर्वाद के अतिरिक्त उसके समक्ष आने वाली बाधाएं भी दूर कर देते हैं।

प्राचीन ग्रंथों में वर्णन: पान, जिसे तंबुला भी कहते हैं, का उल्लेख प्राचीन संस्कृत, तमिल साहित्य और पांचवीं शताब्दी के कालिदास के लेखन में भी मिलता है। प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों जैसे चरक संहिता में पान की तारीफ करते हुए बताया गया है कि यह पाचन में मदद करता है, श्वास में ताजगी लाता है और शरीर के दोषों को संतुलित करता है। कामसूत्र में कहा गया है कि पान चबाने से पौरुष में वृद्धि होती है। इस पृष्ठभूमि में पान का भारतीय संस्कृति का अटूट हिस्सा बनना स्वाभाविक था और वह भी इस सीमा तक कि प्राचीन व मध्ययुग की हिंदू रियासतों (जैसे कन्नौज) में राजा के हाथों से पान हासिल करना बहुत बड़ा शाही सम्मान माना जाता था। स्वागत व विदाई में पान के पत्तों की संख्या से हैसियत मालूम होती थी- राजा को 32 पान, राजकुमार को 24 पान, ज्ञानी को 12 पान और साधारण व्यक्ति को 4 पान प्रदान किए जाते थे। औपचारिक समारोह में मेजबान दोनों हाथों से पान पेश करता था। दूसरों के सामने पान खाना और उन्हें पेश न करना अभद्रता में शुमार होता था। प्रतिद्वंदी से पान लेने के लिए मजबूर होना अपमान का घूंट पीना था। महिला द्वारा पुरुष को पान देना उसे आमंत्रित करना था।

इतिहास में मिलते हैं संदर्भ: दिलचस्प बात यह है कि पान, भारतीय पौधा नहीं है। यह इंडोनेशिया के द्वीपों व मलय प्रायद्वीप से पानी के व्यापारी जहाजों के जरिए भारत आया। कर्नाटक के बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर (जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में होयसल राजवंश ने कराया था) की बाहरी दीवारों पर एक महिला को पान के पत्ते लिए हुए दर्शाया गया है, जिससे मालूम होता है कि पान को भारत में सदियों पहले स्वीकृति मिली और अब कोई हिंदू समारोह इसके बिना पूर्ण नहीं होता है।

तमिल संगम कविता 2,000 वर्ष पुराने संसार को बयान करती है जो पान से परिचित थी। पातिप्पलाई कविता में पुहार के व्यस्त बाजारों का वर्णन है, जहां पान के पत्ते बेचे जाते थे। मदुरैकांची कविता में पान की खेती व बिक्री का जिक्र मिलता है, जबकि कुसुंटोकाई कविता में बताया गया है कि छाली के साथ पान पेश करना मेजबानी व प्रेम का प्रतीक माना जाता था। असम में मेहमान को सबसे पहले छालियां या सुपारी पेश की जाती थीं। भूटान में जब भी दो लोग मिलते तो 'डोमा ज्हेस' (कृपया पान व छाली लें) कहते।

मुगलकाल में पान का सेवन ललित कला के स्तर तक पहुंच गया। चांदी व सोने के पानदान कुलीन जीवन का आवश्यक अंग बन गए। यूरोपीय यात्रियों जैसे थॉमस रो ने लिखा है कि बादशाह जहांगीर के अपने पानदान से पान मिलना जबरदस्त राजनयिक सम्मान का प्रतीक था। दिल्ली व लखनऊ के नवाबी दौर में पान शेर-ओ-शायरी, संगीत व तवाइफों की तहजीब का हिस्सा बन गए। ब्रिटिशकाल में पान का कुलीन सांस्कृतिक स्टेटस कम होने लगा। ब्रिटिश प्रशासनिक व सेनेटरी दृष्टिकोण के तहत पान को 'गंदी देशज प्रथा' के रूप में देखा जाने लगा। छाली व तंबाकू युक्त पान खाने की आदत को मुंह व गले के कैंसर से जोड़ा जाने लगा। लेकिन इस 'कोलोनियल कलंक' के बावजूद पान खाने का सिलसिला जारी रहा।

बरकरार है रुतबा: आज भी रोजमर्रा के स्ट्रीट फूड के रूप में (देश के लगभग हर शहर में आपको पनवाड़ी की दुकान मिल जाएगी), खाने के बाद हाजमे के लिए और मेहमाननवाजी के तौर पर शादियों, उत्सवों व समारोह में। पहले जहां सिर्फ तीन किस्म के पान खाए जाते थे- मीठा पान (गुलकंद, तिल, नारियल आदि युक्त), सादा पान (सिर्फ कत्था, चुना व छाली सहित) व जर्दा पान (तंबाकू सहित) तो अब चॉकलेट, फ्रूट-फ्लेवर, फायर पान आदि भी आ गए हैं। *

शायरों की नजर में पान का अंदाज



'जब हम-कलाम हम से होता है पान खाकर/किस रंग से करे है बातें चबा-चबाकर।' मीर तकी मीर ने अपने इस शेर में फ्लर्ट करने के रोजमर्रा के पलों का शानदार नक्शा खींचा है, जिसमें प्रेमिका का पान खाना लालित्य व शरारत का माध्यम बन जाता है। पान चबाने से बोलना जानबूझकर धीमा, रंगीन, प्यारा व आकर्षण भरा हो जाता है। प्रेमी न सिर्फ शब्दों से मंत्रमुग्ध हो जाता है बल्कि इस वजह से भी कि हर 'चबाया' हुआ वर्ण शोखी में बदल जाता है। प्रेमिका के इस अंदाज से पान खाने पर मुसहफी गुलाम हमदानी कहते हैं- 'पान खाने की अदा ये है तो इक आलम को/खून रुलाएगी मिरी जान दहन-ए-सुर्ख तिरा।' लेकिन जब प्रेमिका अपने प्रेमी को पान देती है, तो असद अली खान कलक के शब्दों में यह होता है- 'होठों में दाब कर जो गिलौरी दी यार ने/क्या दांत पीसे गैरों ने क्या-क्या चबाए होंठ।' इसी विचार को अकबर इलाहाबादी ने इस तरह से कहा है- 'लगावट की अदा से उनका कहना पान हाजिर है/कयामत है सितम है दिल फिदा है जान हाजिर है।'

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में भक्ति गीत और भजनों का क्रेज रहा है। इनमें भी मां दुर्गा को समर्पित कई गीत तो बेहद लोकप्रिय हुए और आज भी उनकी लोकप्रियता बरकरार है। यहां कुछ ऐसे ही लोकप्रिय फिल्मी गीतों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें मां दुर्गा की महिमा का वर्णन या उनकी शक्ति का आह्वान किया गया है।

मां दुर्गा की महिमा से दमकते

हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गीत

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश



फिल्म 'अवतार' का गीत 'चलो बुलावा आया है..'



फिल्म 'सुहाग' का गीत 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा'

धर्म का प्रतिनिधित्व करती हुई जब कोई फिल्म बनती है, तो उसे देखने के नए रिकॉर्ड बनते हैं और जब किसी फिल्म में चमत्कार होता है, तो वह उस फिल्म का हिट पक्ष बन जाता है। यूं तो लगभग हर देवी-देवता की बॉलीवुड फिल्मों में गीतों में स्तुति हुई है लेकिन उनमें से कुछ देवी-देवताओं पर अधिक गीत बनाए गए हैं। मां दुर्गा और उनके विभिन्न स्वरूपों का गुणगान, बॉलीवुड फिल्मों के गीतों में खूब किया जाता रहा है। कुछ फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें शामिल किए गए मां दुर्गा के एक गीत या भजन ने उस फिल्म को भरपूर लोकप्रियता प्रदान की। 'अवतार', 'आशा' और 'सुहाग' जैसी कई फिल्में इसका बेहतरीन उदाहरण हैं।

'अवतार' का 'चलो बुलावा आया है': फिल्म 'अवतार' वर्ष 1983 में जब आई तो इसकी कहानी ने दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर लिया। राजेश खन्ना और शबाना आजमी ने इस फिल्म में ऐसे माता-पिता का रोल प्ले किया है, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। इसी में जब बच्चा अधिक बीमार होता है, तो दोनों माता वैष्णो देवी के दरबार में जाते हैं और वहां जो चमत्कार होता है, वही इस फिल्म का अहम हिस्सा बन जाता है। फिल्म में नरेंद्र चंचल, महेंद्र कपूर और आशा भोसले द्वारा गाया यह गीत 'चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है', आज भी घरों-मंदिरों में भक्ति-भाव से खूब गाया, सुना और बजाया जाता है। यह मां दुर्गा को समर्पित सबसे लोकप्रिय भक्ति गीतों में से एक है। शारदीय नवरात्र हो या चैत्र नवरात्र माताराणी का यह फिल्मी भजन अवसर को और भी भक्तिमय बना देता है। मां और दुर्गा मां को केंद्र में रखकर बुना गया यह गीत आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना अपने रिलीज के वक्त हुआ था।



फिल्म 'क्रांतिवीर' का गीत 'जय अंबे जगदंबे मां..'

'आशा' का 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए': सन 1980 में आई फिल्म 'आशा', जितेंद्र, रीना राय और रामेश्वरी के अभिनय से सजी थी। इसमें भी नरेंद्र चंचल और मोहम्मद रफी द्वारा गाया भजन 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए,' खूब लोकप्रिय हुआ। आज चाहे माता वैष्णों के द्वार पर जाने वाले भक्त हों या फिर दूसरे सिद्धपीठों में मां के दर्शन को जाते भक्त, मार्ग से लेकर मंदिर तक, हर कहीं 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए, मैं आया मैं आया शेरा वालिए..' सुनाई पड़ता है। माता रानी के भक्त इसे भक्ति भावना के प्रदर्शन के साथ-साथ अपनी धार्मिक यात्रा की थकान मिटाने के लिए भी गाते हैं।

'सुहाग' का 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम': 1979 की फिल्म 'सुहाग' जब आई तो एंग्री यंग मैन का जमाना था। अमिताभ बच्चन, शशि कपूर तथा रेखा की इस फिल्म का गीत- 'हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम, ओ शेरोंवाली, ऊंचे डेरों वाली, बिगड़े बना दे मेरे काम।' मोहम्मद रफी तथा आशा भोसले ने इसमें जो लय दी है, वह ही इसको ऑल टाइम हिट बना गई। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक में इसकी मधुर आवाज से भक्त रमे रहते हैं। सही बात तो यह है कि चाहे डांडिया हो या गरबा सभी में इसको खूब बजाया जाता है।



'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत 'मां शेरा वालिए'

नवरात्र पर केंद्रित कई अन्य गीत हुए लोकप्रिय: अलग-अलग दौर में आई कई अन्य फिल्मों में भी मां दुर्गा पर केंद्रित गीत रचे गए। इन गीतों ने भी खूब लोकप्रियता बटोरी। आज भी लोगों के दिलों में इन गीतों की खास जगह है। 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढोली तारो ढोल बाजे, ढोल बाजे ढोल बाजे, की धाम धाम बाजे ढोल...' भी डांडिया पंडालों में उतना ही लोकप्रिय है, जितना कि इस फिल्म में था। फिल्म 'क्रांति' का 'दुर्गा है मेरी मां, अंबे है मेरी मां' और 'क्रांतिवीर' का 'जय अंबे जगदंबे मां' भी कम प्रसिद्ध नहीं हुए। 'मर्द' में अनु मलिक तथा शब्बीर कुमार का गाया हुआ गीत 'मां शेरोंवाली' उस समय खूब चला, जब यह मूवी आई थी। 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत इसी से मिलता हुआ था 'मां शेरा वालिए, तेरा शेर आ गया।' फिल्मों से अलग हटकर देखें तो माता के जगराते में भी यही शक्ति केंद्र में रही। आज तक गैर फिल्मी जो सबसे अधिक पसंदीदा गीत बना वह है 'प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।' इसे तो लोकगायकों ने भी गाया और फिल्मी गायक-गायिकाओं ने भी। 'अंबे तू है जगदंबे' को तो न जाने कितने गायकों ने गाया है और बॉलीवुड ने इसे कई बार दृश्य को एक नया मोड़ देने के लिए प्रयोग किया।

दर्शकों को खूब लुभाया इन गीतों ने: इस बात में संदेह नहीं कि माता दुर्गा के तमाम रूप हैं जिन्हें बॉलीवुड ने जब तब दर्शकों के सामने अलग-अलग गीतों के रूप में पेश किया। इसके लिए फिल्म की कहानी ऐसी रखी गई जिसमें एक भजननुमा गीत इसमें समाहित किया जा सके। कहानी भी ऐसी जिसे देखकर दर्शकों की आंखें नम हो जाएं। कुछ भजनों को इस तरह से तैयार किया गया कि वह डांडिया या गरबा में भी चलें और दुर्गा जागरण या सामान्य तौर पर भक्तों को भक्ति में रमा दें। कहने का सार यही है कि बॉलीवुड फिल्मों में मां शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित खूब गीत रचे गए और ऐसे गीत खूब लोकप्रिय भी हुए। *